<u>प्रेस नोट साइबर सेल गोरखपुर दिनांक 26-10-2020</u>

आनलाइन आईपीएल गेम खेलने/ शौख पूरा करने में बेटे ने पिता के ही खाते से निकाले रू0 1 लाख 54 हजार 534 व रू0 43 हजार।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जनपद गोरखपुर के निर्देशन, पुलिस अधीक्षक अपराध व क्षेत्राधिकारी अपराध/ गोरखनाथ के पर्यवेक्षण में साइबर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में साइबर सेल टीम को लगाया गया था, जिसके क्रम में सेन्ट एन्ड्रयूज कालेज गोरखपुर के प्रवक्ता ने अपने खाते से रू0 154534.00 की आनलाइन धन निकासी के सम्बन्ध में प्रार्थना पत्र दिया, जिसमें साइबर सेल टीम द्वारा तकनीकि रूप से काम करते हुए आनलाइन धन निकासी करने वाले संदिग्ध की पहचान की गई, तो पता चला कि प्रवक्ता के पुत्र द्वारा ही आईपीएल गेम खेलने/ अपनी शौख पूरा करने के लिए अपने पिता के एटीएम कार्ड की डिटेल प्राप्त कर मोबाइल पर आये ओटीपी को लेकर पेटीएम वालेट बनाकर धीरे-धीरे कुल रू0 154534.00 की आनलाइन निकासी कर लिया गया। पिता के मोबाइल से ओटीपी लेने के बाद मैसेज डिलीट कर देता था, जिससे पिता को जानकारी न हो।

इसके अतिरिक्त थाना क्षेत्र कोतवाली के अन्तर्गत रहने वाले आवेदक व्यवसायी ने अपने खाते से रू0 43000.00 की आनलाइन धन निकासी के सम्बन्ध में प्रार्थना पत्र दिया, जिसमें साइबर सेल टीम द्वारा आनलाइन धन निकासी करने वाले संदिग्ध की पहचान की गई, तो पता चला कि आवेदक के पुत्र द्वारा ही आनलाइन गेम खेलने/ अपनी शौख पूरा करने के लिए अपने पिता के एटीएम कार्ड की डिटेल प्राप्त कर मोबाइल पर आये ओटीपी को लेकर पेटीएम वालेट बनाकर 17 बार में कुल रू0 43000.00 की आनलाइन निकासी कर लिया गया। पिता के मोबाइल से ओटीपी लेने के बाद मैसेज डिलीट कर देता था, जिससे पिता को जानकारी न हो।

उपरोक्त दोनो प्रकरणो में अपने पुत्र का ही नाम प्रकाश में आने पर पिता द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद गोरखपुर से पुत्र के भविष्य को देखते हुए उनके विरूद्ध कोई कार्यवाही न करने का अनुरोध किया गया। जिस पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा पिता को पुत्र पर विशेष ध्यान देने की हिदायत देते हुए तथा उनके पुत्र के उज्जवल भविष्य के दृष्टिगत पिता के अनुरोध को स्वीकार कर लिया गया।

साइबर सेल पुलिस टीम का नामः-

1. उ0नि0 महेश कुमार चौबे, प्रभारी साइबर क्राइम सेल।
2. आ0 शशि शंकर राय साइबर क्राइम सेल ।
3. आ0 शशिकांत जायसवाल साइबर क्राइम सेल।
4. म0आ0 नीतू नाविक, साइबर क्राइम सेल।